आकाशवाणी पोर्ट ब्लेयर

02.02.2025 समय : 0705

1. केन्द्रीय वित्त मंत्री ने कल बजट पेश करते हुए कहा– हमारी अर्थव्यवस्था सभी वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है।

2. नई व्यवस्था के अंतर्गत बारह लाख रूपये तक कोई आयकर देय नहीं होगा।

3. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि केन्द्रीय बजट एक सौ चालीस करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

4. आज विश्व आर्द्रभूमि दिवस मनाया जा रहा है।

<><><><><><><>

केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने कल संसद में केन्द्रीय बजट दो हजार पच्चीस–छब्बीस प्रस्तुत किया। यह एनडीए सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट है। बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि इसका लक्ष्य विकास में तेजी लाना, समावेशी विकास सुनिश्चित करना, निजी क्षेत्र में निवेश में वृद्धि और देश के मध्यम वर्ग के खर्च करने की क्षमता बढ़ाना है। उन्हों्ने कहा कि हमारी अर्थव्यवस्था सभी वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने कहा कि मध्यम वर्ग भारत के विकास के लिए शक्ति प्रदान करता है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने राष्ट्र निर्माण में मध्यम वर्ग की सराहनीय ऊर्जा और क्षमता में विश्वास जताया है। वित्त मंत्री ने कहा कि नई कर व्यवस्था के अंतर्गत बारह लाख तक की आय पर कोई कर देय नहीं होगा।

बजट में विशिष्ट– दर आय जैसे पूंजीगत लाभ को छोड़कर एक लाख रूपए प्रति माह की औसत आय पर कोई कर देय नहीं होगा। वेतनभोगी करदाताओं के लिए यह सीमा पचहत्तर हजार की मानक कटौती के कारण बारह लाख पचहत्तर हजार होगी। सभी करदाताओं को फायदा पहुंचाने के लिए सभी श्रेणियों में कर स्लैब और दरों में परिवर्तन करने के प्रस्ताव हैं। बजट में औषधि और दवाओं के आयात पर राहत देने का प्रस्ताव किया गया है।

कल केन्द्रीय बजट में विशेष रूप से कैंसर, असाधारण रोगों और अन्य गंभीर जीर्ण रोगों से पीड़ित रोगियों को राहत देने के लिए छत्तीस जीवन रक्षक औषधियों और दवाओं को बुनियादी सीमा–शुल्क से पूरी तरह छूट प्राप्त दवाओं की सूची में शामिल करने का प्रस्ताव किया गया है। बजट में कृषि उत्पादकता बढ़ाने, फसल विविधीकरण और एक करोड़ 70 लाख किसानों को ऋण सुविधा प्रदान करने के लिए चुने हुए सौ जिलों में प्रधानमंत्री धन–धान्य कृषि योजना शुरू की जाएगी। किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से ऋण सीमा तीन लाख रूपए से बढ़ाकर पांच लाख रूपए करने का प्रस्ताव, लघु, सूक्ष्म और मध्यम उद्यमों के वर्गीकरण के लिए निवेश की सीमा ढाई गुणा बढ़ाने और कारोबार सीमा भी दोगुनी करने का प्रस्ताव, स्टार्टअप के लिए ऋण गारंटी एक प्रतिशत इजाफे के साथ बढ़ाकर बीस करोड़ रूपए करने का प्रस्ताव है। वित्तमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय खिलौना कार्य योजना के आधार पर, देश को 'वैश्विक खिलौना केंद्र' बनाने की योजना कार्यान्वित की जाएगी। इस योजना से 'मेड इन इंडिया' ब्रांड का प्रतिनिधित्व करने वाले उच्च गुणवत्ता वाले अनूठे, नवीन और पर्यावरण अनुकूल खिलौने बनेंगे। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार एक संशोधित उड़ान स्कीम शुरू करेगी ताकि अगले दस वर्षों में एक सौ बीस नए गंतव्यों के साथ क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ाया जा सके और चार करोड़ यात्रियों को ऐसी परिवहन सुविधा दी जा सके।

<><><><><><><>

वित्तमंत्री निर्मला सीतारामन ने कहा कि सरकार अंडमान निकोबार तथा लक्षद्वीप जैसे द्वीपों पर विशेष ध्यान देने के साथ भारतीय विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र और गहरे समुद्रों से निरंतर मछली पकड़ने को बढ़ावा देने के लिए एक फ्रेमवर्क लाएगी। इसके अलावा बजट में सामुद्रिक उद्योग के लिए दीर्घावधि धन उपलब्ध कराने के वास्ते पच्चीस हजार करोड़ रुपए की निधि के साथ एक सामुद्रिक विकास निधि स्थापित की जाएगी। वित्त मंत्री ने देश में अन्तर्देशीय जल परिवहन को बढ़ावा देने के लिए मौजूदा टन भार कर योजना के लाभों को भारतीय पोत अधिनियम, दो हजार इक्कीस के अंतर्गत पंजीकृत अन्तर्देशीय जलयानों के लिए विस्तारित करने का प्रस्ताव किया।

<><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि केंद्रीय बजट दो हजार पच्चीस–छब्बीस, एक सौ चालीस करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। संसद में बजट पेश किए जाने के बाद अपने संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा कि यह बजट भारत की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। श्री मोदी ने बजट को सशक्त बनाने वाला बताया और कहा कि यह देश में बचत, निवेश, खपत और विकास को बढ़ावा देगा। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि इस बजट से देश के मध्यम वर्ग को बहुत लाभ होगा क्योंकि बारह लाख रुपये तक की आय को कर मुक्त कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह कृषि क्षेत्र को सशक्त करेगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा।

<><><><><><><>

आज विश्व आर्द्रभूमि दिवस है। इस वर्ष का विषय, "हमारे साझा भविष्य के लिए आर्द्रभूमि की रक्षा करना", रखा गया है। इस अवसर पर अपने संदेश में उप राज्यपाल एडमिरल डी.के. जोशी ने कहा कि विश्व आर्द्रभूमि दिवस पारिस्थितिकीय तंत्रों को संरक्षित और पुनर्स्थापित करने की हमारी साझा जिम्मेदारी की याद दिलाता है। आर्द्रभूमि पृथ्वी पर सबसे विविध और उत्पादक पारिस्थितिकीय तंत्रों में से एक हैं। यह अमूल्य पारिस्थितिकीय तंत्र जैव विविधता, मत्स्य पालन, कृषि, पर्यटन और जल प्रबंधन का समर्थन करते हैं, साथ ही बाढ़ नियंत्रण, भूजल और जलवायु परिवर्तन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

<><><><><><><>

डिगलीपुर स्थित श्री वडिवेल मुरूगन मंदिर और मारिअम्मन मंदिर में पूजा अर्चना के कार्यक्रम चल रहे हैं। मुरूगन मंदिर में आज महाकुभाभिषेकम सुबह साढ़े दस बजे आरभ होगी। दोपहर बारह बजे से अन्नदानम होगा। मारिअम्मन मंदिर में कल सुबह साढ़े नौ बजे महाकुभाभिषेकम रखा गया है। दिन में ग्यारह बजे से प्रसाद वितरण होगा।

<><><><><><><>

डॉ. बी आर अम्बेडकर प्रौद्योगिकी संस्थान में कौशल विकास पहल के तहत, मैकेनिकल, सिविल, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभागों के छात्रों के लिए कार्यशाला इंटर्नशिप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान, छात्रों को बढ़ईगीरी, वेल्डिंग और शीट मेटल पर कार्य करने के लिए प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर छात्रों ने प्रत्येक ट्रेड में विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया।

<><><><><><><>